

## मत्स्यपालक दिवस समारोह

मीठाजल मत्स्य प्रक्षेत्र , बलभद्रपुरम,

भा कृ अनु प-के मा शि सं , काकीनाडा केंद्र

दिनांक 10 जुलाई 2024 को मीठाजल मत्स्य प्रक्षेत्र (एफडब्ल्यूएफएफ), बलभद्रपुरम, भा कृ अनु प-के मा शि सं, काकीनाडा केंद्र में मत्स्यपालक दिवस समारोह और कार्प प्रजनन एवं बीज उत्पादन पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 मत्स्यपालक, फार्म-उत्पादक संगठनों के सदस्य, मछली पालन कर्मियों और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विक्कावोलु मंडल के डीडब्ल्यूसीआरए के सदस्य और आंध्र राज्य मत्स्य विश्वविद्यालय के संकाय ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान किसानों को एफडब्ल्यूएफएफ केंद्र की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भा कृ अनु प-के मा शि सं द्वारा प्रदर्शित एक प्रदर्शनी थी। प्रतिभागियों को केंद्र की गतिविधियों जैसे 'महा मागुर' के चयनात्मक प्रजनन कार्यक्रम, मीठापानी कार्प एवं कैटफिश बीज उत्पादन, नर्सरी पालन और महा मागुर, ओस्टियोब्रामा एसपीपी, मीठे पानी के झींगे, स्नेकहेड और रूपचंद जैसी उच्च मूल्य वाली प्रजातियों के विकास के बारे में जानकारी दी गई। मछली-किसानों के लाभ के लिए केंद्र द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी बताया गया। केंद्र की विभिन्न सुविधाओं जैसे नव विकसित प्रयोगशालाओं, हैचरी, तालाबों और फार्म में पैदा हुए महा मागुर और कोइ-कार्प को दिखाने के लिए एक दौरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह के दौरान चार मत्स्य किसानों को इस क्षेत्र में उनके योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वय प्रभारी वैज्ञानिक डॉ. शमना एन, वैज्ञानिक डॉ. शोभा रावत और तकनीकी कर्मचारी श्री राजीव एवं नोडल अधिकारी डॉ. श्रीनिवास जहागीरदार और आईसीएआर-सीआईएफई के निदेशक डॉ. रविशंकर सी.एन. के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में चयनित किसानों के मध्य कृषि नस्ल कतला के बीज वितरित किए गए।



